UNDAY TIME[S] OF INDIA
Bennett, Coleman & Co. Ltd.
AUGUST 17, 2014 | GURGAON | PAGES 60 | INCLUDING TIMESLIFE, CLASSIFIEDS AND GURGAON TIMES | TIMESOFINDIA.COM | EPAPER.TIMESOFINDIA.COM

Homemakers become gurus for needy kids

Shilpy.Arora@timesgroup.com

Gurgaon: Driven by a passion to impart skills to the underprivileged, a team of homemakers in South City II township are educating children from impoverished sections in Gurgaon.

Alka, a chartered accountant who lives in Malibu Towne, says she always wanted to do something for children from the economically weaker sections, but never got an opportunity before because of her job. "But, my husband's job took him to the US and I left my job. After we came back from the US, I decided to educate the poor in my free time," she says.

Like Alka, there are many other homemakers, who left their jobs for a variety of reasons and have come together

HELPING HAND: Each homemaker is given the responsibility of one child

in an initiative started by Sudha Society, an NGO that works in the education sector.

Under the initiative, each housewife is given the responsibility of one child and devotes two to three hours daily to ensure that the child under their care receives maximum attention.

Over 25 children from villages and slums near South City II are currently part of this initiative. With their help, some of the kids have even secured admission in prestigious schools like DPS Shiksha Kendra.

G K Bhatnagar of Sudha Society says, "Despite this being the Millennium City, there are many illiterate children here. They end up following their parents to work as labourers or domestic help. Here we also have many housewives who are qualified but have left their jobs. I thought of connecting the two."

For Karim, a student from Tikri village, English was always a weakness. "Some three years ago, I did not know a single word of English. Now, I can speak English thanks to Alka ma'am," he says. He studies in Class VIII in a reputed school in the city.

Reena, a domestic help who sends her son for such classes, says he has picked up a lot about basic etiquettes and hygiene. "He now washes his hands before eating and makes sure food is covered in the kitchen. Even I learnt a lot from him," she says.

But it is not the underprivileged kids alone who benefit from the programme. The 'teachers' realised that their children, too, can pick up their lessons faster when they study with the underprivileged kids. "Most of the children I teach are fast learners. By the age of eight, some know tables up to 19. My kids' spirit of learning is aroused when I teach them with the underprivileged kids. They have limited resources but a huge urge to learn."

Pragya, another housewife, says she decided to make her daughter sit with the girl whom she teaches. "We want our daughter to learn from the girl I teach how to grasp things quickly. It will also help both break the psychological barrier that exists between rural and urban folk," says Pragya.

पॉजीटिव सोच से दूर कर रहे हैं दुश्वारियां

आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को दे रहे हैं शिक्षा

» मिलिए उन शिक्षकों से जिनका काम अभावों में भी बेमिसाल है, साउथ सिटी-2 की 15 महिलाएं जो घरों में काम करने वाले परिवारों के बच्चों को पढ़ाती हैं

गुड़गांव. साउथ सिटी-2 में बच्चों को पढ़ाती महिलाएं।

समय निकालकर प्रतिदिन दो घंटे तक बच्चों को अवश्य पढ़ाती हैं महिलाएं

भास्कर न्यूज | गुड़गांव

ताकि कुछ बच्चों का भविष्य संवर सके। सुधा सोसायटी की 15 महिलाओं ने इसके लिए बीड़ा उठाया। नौकरी से रिटायर्ड होने के बाद इन महिलाओं ने निशुल्क उन लोगों के बच्चों को शिक्षित करना चाहा, जिनके बच्चे आर्थिक तंगी के कारण कभी स्कूल नहीं जा पाते। गुड़गांव के साउथ सिटी-2 के ए-1, डी-1 और ए ब्लॉक में ये महिलाएं ऐसे लोगों के बच्चों को ट्यूशन देती हैं।

60 बच्चों को प्रतिदिन दो घंटे मुफ्त शिक्षा

गुड़गांव के सेक्टर-48 स्थित साउथ सिटी-2 में 4 से 7 साल तक की उम्र के बच्चों को मिलने वाली ये ट्यूशन बेहद खास है। दरअसल इसे स्कूल का रूप दिया गया है। यहां आने वाले बच्चों को मुफ्त किताबें और ड्रैस दी जाती है। यहां उन बच्चों को ट्यूशन दी जाती है, जिनके माता पिता घरों में मेड, ड्राइवर, धोबी, नाई, मोची आदि का काम करते हैं। अब तक करीब 60 बच्चों को ट्यूशन दी जा रही है। इन्हें ये महिलाएं प्रतिदिन दो घंटे मुफ्त शिक्षा देती हैं।

ये महिलाएं संवार रही हैं बच्चों का भविष्य

शीशपाल विहार में रहने वाली तपोसी ब्रनर्जी इंग्लिश में मास्टर्स हैं। घर का काम काज करने के बाद वो प्रतिदिन बच्चों को दो घंटे इंग्लिश पढ़ाती हैं। इसी तरह साइकोलॉजिस्ट गीता पराशर, टेक्सटाइल्स इंजीनियर दीप्ति गोयल, शिमला से सरकारी कॉलेज से रिटायर्ड एमए इंग्लिश बीएड अर्चना गुप्ता, इलेक्ट्रिकल इंजीनियर सोनिया भाटिया, बी फॉर्मा रितु यादव, एमसीए आशिमा तनेजा, साइकोलॉजिस्ट विजया, सॉफ्टवेयर इंजीनियर प्रेरणा बंसल, एमबीए नेहा अरोरा, एमबीए एचआर भावना अग्रवाल आदि शामिल हैं। जो प्रतिदिन 10.30 से 12.30 बजे तक बच्चों को पढ़ाती हैं।

गृहिणियों को निशुल्क कंप्यूटर की देती हैं ट्रेनिंग

ये महिलाएं बच्चों को शिक्षित करने के बाद साउथ सिटी की गृहिणियों को कंप्यूटर की ट्रेनिंग भी देती हैं। अब तक ये महिलाएं करीब 1000 महिलाओं को कंप्यूटर की ट्रेनिंग दे चुकी हैं। **खुले आसमान के नीचे पढ़ते हैं बच्चे :** सोसायटी के प्रेसिडेंट डीके भटनागर ने बताया कि बच्चों को शिक्षा देना एक चुनौती है। 15 महिलाएं ऐसी हैं जो ऑफिस से लेकर घर के काम के बाद इन बच्चों को कम संसाधनों में पढ़ाती हैं। बच्चों में पढ़ाई के प्रति लगाव को देखते हुए उन्हें सोसायटी की तरफ से किताबें, ड्रेस या अन्य जरूरत की वस्तुएं मुहैया कराई जाती हैं।

क्या कहती हैं महिलाएं

बच्चों को पढ़ाने वाली दिप्ती गोयल ने बताया कि सफलता को ज्यादातर लोग प्रसिद्धि से जोड़कर देखते हैं, जो बिल्कुल गलत है। जरूरी नहीं जो प्रसिद्ध है वो सफल भी हो या जिसको अपेक्षाकृत कम लोग जानते हैं, वो असफल हैं। सफलता को पैसों से भी नहीं तोला जा सकता।

एमबीए एचआर भावना अग्रवाल ने कहा कि उनके पास भी बाकी गृहणियों की तरह जिम्मेदारियां थीं, लेकिन उनकी मेहनत, लगन और सही सोच ने उन्हें आज इस मुकाम तक पहुंचाया है।

सॉफ्ट वेयर इंजीनियर प्रेरणा बंसल का कहना है कि सफल वो इंसान होता है जो अपने प्रयासों से लोगों को प्रेरित करे, जिसने अपने काम के बूते समाज में कुछ सकारात्मक बदलाव लाने में कामयाबी पाई हो और जिसने अपने साथ अन्य जिंदगियां भी संवारी हों।

■ Published simultaneously from NAGPUR, RAIPUR, JABALPUR, BHOPAL • FRIDAY • JANUARY 16 • 2015 22

TheHitavada

TheHitavada
CityLine
EXCLUSIVE FOR THE READERS IN RAIPUR DURG & BHILAI
FRIDAY, JANUARY 16, 2015

Shri Gujrati English School students learn road safety through quiz, rally

Students from Class VI-VIII under the guidance of their respective class teachers took out a rally with placards on their hands. Students taking part in the quiz competition.

■ **Staff Reporter,**
RAIPUR, Jan 15

AS PART of Road Safety Week, Shri Gujrati English Medium Higher Secondary School (run by Shri Gujarati Sangh under the aegis of Sudha Society) organized a quiz competition for the students from Class VI-VIII.

The students were asked to prepare on traffic rules and regulations and later put through a quiz competition by dividing them into four houses. Under the guidance of sports teacher Shrinivas Rao preparations were made for the quiz competition and later quiz master Jitendra Chhatriya asked questions to them based on traffic signs and other related questions based on safe driving on roads.

At the end of quiz competition, Yellow House emerged as winner of the competition followed by Red House ending runners up in this event. Quiz competition was judged by G K Bhatnagar and Mrs Bhatnagar, who were also the brain behind conduct of quiz competition. The winning team comprised of Ashish Dhar (Class-VI), Yogesh Kumar Sahu (Class-VIII), Dikendra Sahu (Class-VI) and Dev Patel (Class-VII).

Earlier, the guests were introduced by Principal VK Mishra who apprised the students about the guest and his vast experience in various fields. The winners and runners-up team were given prizes at the hands of renowned gynecologist Dr (Mrs) Rajput.

On Jan 15, students from Class VI-VIII guided by their respective class teachers took out a rally with placards on their hand which mentioned about awareness for road safety. While moving on streets students shouted slogans related to safe driving on roads and made the passers-by aware as to how they should drive vehicles on the road. The rally ended with a pledge that students will influence their parents to strictly adhere traffic rules while driving on roads.

वर्ष 26 अंक 173
पृष्ठ 16+6=22+पंचांग
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार
7 जनवरी 2016
गुड़गांव
मूल्य ₹ 4.00
₹5.00/- पंचांग के साथ

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने

दैनिक जागर

Page

अपूर्वी का विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पर निशाना 14

साल के अंत तक शुरू हो जाएगा राम मंदिर

दिल्ली • उत्तर प्रदेश • मध्य प्रदेश • हरियाणा • उत्तराखण्ड • बिहार • झारखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • हिमाचल एवं

गरीबी पर विजय के लिए शिक्षा-स्वास्थ्य पर प्रहार

पूनम, गुड़गांव

असीम कटयार | किशोर अस्थाना | गोपाल कृष्ण | हरीन्द्र धींगरा | एनबी नायर

गुड़गांव ऐसी जगह है जहां आय की असमानता का दृश्य सबसे ज्यादा दिखता है। ऊंची अट्टालिकाओं, भव्य सोसायटियों के पड़ोस में निर्माण में लगे, उद्योगों में काम करने वाले मजदूरों की अस्थायी झुग्गियां शहर के विकास के साथ बढ़ती आय की असमानता की भी चुगली करती नजर आती है। गरीबी के साथ जुड़ी है, अशिक्षा, खराब सेहत, फिर दोबारा गरीबी का दुष्चक्र।

इस दुष्चक्र को तोड़ने के लिए शहर के कई संगठनों ने शहर में रहने वाले कम आय वर्ग के लोगों के लिए काम किया। चाहे वंचित समाज के बच्चों की बेहतर शिक्षा, बच्चों महिलाओं के स्वास्थ्य, उनके लिए सर्दियों में गर्म कपड़े का इंतजाम हो या उनके लिए व्यवसायिक प्रशिक्षण। शहर की कुछ पॉश सोसायटियों के लोगों ने भी इस दिशा में कुछ ओपेन स्कूल शुरू किए हैं तो कुछ ने बच्चों के स्कूलों में दाखिले के लिए काम किया है। यूनिटेक वर्ल्ड सिटी के लोगों ने शहर के लिए यूनिवर्ल्ड सिटीजंस फोरम फॉर लोकल स्कूल नाम का संगठन बनाकर पड़ोस के सरकारी स्कूल सिलोखरा प्राथमिक एवं मध्य विद्यालय को गोद लिया और वहां के बच्चों के लिए आधुनिक जरूरत की शिक्षा और शिक्षकेत्तर गतिविधियों के प्रयास कर रहे हैं। इस कार्य का नेतृत्व भाभा एटोमिक रिसर्च सेंटर के पूर्व वैज्ञानिक एनबी नायर ने किया। इसी तरह मैंसा इंडिया ने बच्चों को पढ़ाई पूरी कराने के लिए बड़ी कंपनियों से स्कॉलरशिप दिलवाई। करीब 100 बच्चों ने ऐसी स्कॉलरशिप प्राप्त की है, जो उनकी शिक्षा में आगे काम आएगी। वहीं साउथ सिटी टू में सुधा सोसायटी ने वंचित परिवारों के बच्चों के शिक्षा के लिए तीन विशेष स्कूल शुरू किए। एक और संगठन बगिया वंचित बच्चों की शिक्षा और बेहतर जीवन के लिए काम कर रहा है। कुछ हरीन्द्र धींगरा, असीम कटयार ऐसे आरटीआई एक्टिविस्ट ऐसे हैं जिन्होंने निरंतर ऐसे गरीबी रेखा के नीचे के लोगों के लिए नियमानुसार बड़े अस्पतालों और स्कूलों में निःशुल्क शिक्षा व स्वास्थ्य के लिए सूचना के अधिकार को हथियार बनाकर लड़ाई लड़ रहे हैं। हरीन्द्र धींगरा ने बीपीएल कोटा की गलत सूची को लेकर भी सरकार का ध्यान खींचा। चिराग वेलफेयर सोसायटी की ओर से वंचित परिवारों के बच्चों के लिए विशेष स्कूल चलाए गए हैं। सामाजिक कार्यकर्ता रामफल श्योराण पेशे से वकील हैं मगर बीपीएल कोटा में बच्चों के दाखिला, स्कूलों की फीस में अनावश्यक बढ़ोतरी जैसे मुद्दों पर प्रशासन से लगातार लड़ रहे हैं। डीएलएफ के विभिन्न हिस्सों में गरीब परिवारों के बच्चों के लिए हैप्पी स्कूल जैसे सुविधा संपन्न स्कूल चल रहे हैं। कारपोरेट सामाजिक दायित्व यानी सीएसआर गतिविधियों की अनिवार्यता के नियमों का भी फायदा शहर को मिला है। कॉरपोरेट वर्ग से सहायता लेकर कई संगठन गरीबों बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, अच्छी जीवन शैली आदि के प्रयास में जुटे हैं।

शिक्षा की बेहतरी और स्वास्थ्य सुविधाओं के जरिए गरीबी उन्मूलन : शहर के एक बुजुर्ग लगातार वंचित परिवारों के बीच काफी समय से काम कर रहे हैं। वरिष्ठ बैंक अधिकारी, मानव संसाधन विकास मंत्रालय में महिला सशक्तिकरण के प्रोजेक्ट के सलाहकार रह चुके और रूडसेट के निदेशक रह चुके हैं सुधा सोसायटी के अध्यक्ष गोपाल कृष्ण भटनागर। गोपाल भटनागर ने वर्ष 2009 में सुधा सोसायटी फॉर अपलिफ्टमेंट एंड डेवलपमेंट बाई एक्शन फॉर ह्यूमन बिंग शुरू किया। इस सोसायटी ने छह सालों में बगैर किसी सरकारी सहायता के शहर के प्रवासी मजदूरों के स्वास्थ्य और उनके बच्चों की शिक्षा के लिए काम कर रही है। सोसायटी के सदस्यों द्वारा ऐसे तीन स्कूल चलाए जा रहे हैं, जिसमें सोसायटी से जुड़ी महिलाएं तीन घंटे खुद पढ़ाती है। सुधा सोसायटी प्रमुख जीके भटनागर का कहना है कि हम गरीबी से तबतक मुक्ति नहीं पा सकते जबतक उसके मूल में नहीं जाते। इसके लिए हमें श्रमिकों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए काम करना होगा और उनके बच्चों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के लिए काम करना होगा।

वर्ष 28 अंक 121
पृष्ठ 20+6=26
नई दिल्ली, गुरुवार
16 नवंबर 2017
गुरुग्राम/नया गुरुग्राम
मूल्य ₹ 4.00

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जा

दैनिक जागर

साइबर सुरक्षा में पीएचडी करो, सरकारी मदद पाओ : रविशंकर 12 | मैं रोबोट नहीं, मुझे भी अ

www.jagran.com | दिल्ली • उत्तर प्रदेश • मध्य प्रदेश • हरियाणा • उत्तराखण्ड • बिहार • झारखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर

गुरुग्राम/नया गुरुग्राम

जागरण सिटी

हरिओम अत्री V | दैनिक जागरण | नई दिल्ली, 16 नवंब

बाल दिवस पर बच्चों ने प्रस्तुत किए रंगारंग कार्यक्रम

साउथ सिटी टू के ए ब्लॉक स्थित पार्क में बाल दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में संबोधित करते हुए मेजर जरनल जीडी बक्शी • जागरण

जागरण संवाददाता, गुरुग्राम: साउथ सिटी टू के ए ब्लॉक स्थित पार्क में बाल दिवस पर मंगलवार शाम बच्चों के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सुधा सोसायटी द्वारा जरूरतमंद बच्चों के लिए चलाए जाने वाले सुधा ओपेन स्कूल के बच्चों ने इस मौके पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) जीडी बख्शी ने बच्चों के कार्यक्रम की सराहना की। उन्होंने बच्चों को देशभक्ति की भावना से जीवन में हर कार्य करने का संदेश दिया। विशिष्ट अतिथि लेफ्टिनेंट जनरल गौतम बनर्जी की पत्नी तापोसी बनर्जी रहीं। कार्यक्रम में साउथ सिटी टू के ए वन ब्लॉक के बच्चों ने सुधा ओपन स्कूल के बच्चों को बाल दिवस के मौके पर उपहार दिए। कार्यक्रम में संगठन प्रमुख जीएस भटनागर, दिप्ती, लक्ष्मी राव, बबिता अग्रवाल, सोनिका मिश्रा, स्वाति सक्सेना अमिताभ खरे समेत कई गणमान्य लोग इस मौके पर मौजूद थे।वार्ड 26 की पार्षद प्रवीण लता इस कार्यक्रम में पहुंची और बच्चों की हौसलाअफजाई की। सुधा सोसायटी से जुड़ी समाजसेवी महिलाएं इस स्कूल में बच्चों को निश्शुल्क शिक्षा देने के साथ नैतिक शिक्षा, योग और कला का प्रशिक्षण भी देती रही हैं।

वार
दैनिक जागर
-4=40
n.com
दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित
का चुनाव तय करेगा तोगड़िया का भविष्य } 5
विपक्ष को जानवर कहना अपमानजनक
नई दिल्ली, रविवार, 8 अप्रैल 2018
दैनिक जागरण
जागरण सिटी
गुरुग्राम

मोटापा स्वस्थ शरीर का दुश्मन

www.jagr

शिविर लगाकर स्कूली बच्चों की स्वास्थ्य जांच

सुधा सोसायटी के स्वास्थ्य शिविर मे बच्चो की जांच करता चिकित्सक

जासं, गुरुग्राम: विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर सुधा सोसायटी एवं एक्सप्लोर एनसीआर ने संयुक्त रूप से स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। शिविर में सुधा ओपन स्कूल के बच्चों ने जांच परीक्षण का लाभ लिया। बोस्टन साइंटिफिक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की डॉ. नवज्योति कर के देखरेख में संपन्न शिविर में 30 बच्चों को विभिन्न परीक्षण कर दवाइयां व जरूरी परामर्श दिया गया। दवाइयों की आपूर्ति सुधा सोसाइटी द्वारा की गयी। आयोजन में सुधा सोसाइटी के सभापति ज़ीके भटनागर, एक्सप्लोर एनसीआर से अंजू दुआ, गीतांजलि दुआ, रितिका दत्ता, अंजलि बरेजा, सुरभि समेत सोसाइटी के लोग मौजूद रहे।

क्टूबर 2018 > आश्विन 9 शक संवत 1940 आश्विन कृष्ण सप्तमी विक्रम 2075 YOUNG INDIA > YOUNG PAPER पेज 20* > मूल्य 3.00

NBT नवभारत टाइम्स

ICC रैंकिंग में रोहित-विराट के बीच नई रेस

देखें अंदर

नवभारत टाइम्स NBT Gurgaon Times masalamix

MONDAY, 1 OCTOBER 2018 I ADVERTORIAL, ENTERTAINMENT PROMOTIONAL FEATURE

जज्बे को सलाम | विश्व बुजुर्ग दिवस आज : 80 साल की उम्र में घर बैठने की जगह जला रहे साक्षरता की अलख

युवाओं को भी मात दे देगा बुजुर्गों का ये हौसला

Akhil.Saxena1@timesgroup.com

■ गुड़गांवः उम्र 80 साल। रिटायर होकर घर बैठने वाली बात दिमाग में आए, उससे पहले जान लीजिए कि इनके हौसले अभी भी जवां हैं। कमजोर काया भले है, लेकिन इरादे बुलंद हैं। दिनचर्या ऐसी कि युवा भी शरमा जाएं। अपने दैनिक कार्यों के बीच समाज का ऋण अदा करने का इनका जज्बा काबिले तारीफ है। विश्व बुजुर्ग दिवस पर कुछ ऐसे ही बुजुर्ग समाज में साक्षरता की ज्योति जलाने में व्यस्त हैं। *पेश है रिपोर्ट:*

स्लम एरिया में लगाती हैं 2 घंटे की क्लास

करीब 5 सालों से गुड़गांव में रह रहीं तापसी बनर्जी (62) के पति जनरल गौतम बनर्जी सेना से रिटायर हुए हैं। पति के जॉब करने के दौरान तापसी सामाजिक कार्यों में जुड़ी रहती थीं। अब भी उनकी यह आदत नहीं बदली है। तापसी रोजाना स्लम एरिया में बच्चों के लिए 2 घंटे की क्लास में पढ़ाने के साथ संगीत भी सिखाती हैं। स्लम एरिया में घूमते बच्चों को देख उन्होंने शिक्षित करने का फैसला किया।

■ बुजुर्गों के प्रति हो रहे दुर्व्यवहार और अन्याय को समाप्त करने के लिए मनाते हैं खास दिवस

भटनागर बने पर्यावरण के प्रहरी

साउथ सिटी दो गुड़गांव में रहने वाले जीके भटनागर (65) सुधा सोसायटी के प्रेजिडेंट हैं। रिटायर होने के बाद भटनागर कई बुजुर्गों और युवकों के साथ सामाजिक कार्यों में पूरे दिन व्यस्त रहते हैं। गरीब बच्चों को पढ़ाने के साथ ही युवकों को भी विभिन्न विषयों की जानकारी देते हैं। समाज को शिक्षित बनाने के साथ ही पर्यावरण सुरक्षा के भी प्रहरी है। सोसायटी के बुजुर्गों को लेकर स्वच्छता और पौधरोपण इनकी दिनचर्या में शुमार रहता है।

फ्री में देते हैं कानूनी सलाह

वरिष्ठ नागरिकों की एक संस्था से जुड़े पीएन मोंगिया (80) करीब 63 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में कार्य कर रहे है और वकील भी हैं। घर में कई युवाओं को रोज पढ़ाते हैं। कानूनी सलाह की जिन्हें जरूरत होती है, वे भी मोंगिया के पास पहुंचना नहीं भूलते। फ्री में कई वर्षों से कानूनी सलाह दे रहे हैं। इसके बाद भी अगर समय बचता है तो पौधारोपण और पेड़ों की देखभाल करने के साथ दूसरों को भी प्रेरित करते हैं।

...AN & CO. LTD. | ESTABLISHED 1838 | NEW DELHI | MONDAY, OCTOBER 29, 2018 | PAGES 38 | GURGAON | INVITATION PRICE ₹4.50; ₹7.00 WITH ET OR ₹7.00 WITH ...

...HE TIMES OF INDI...

...earthquakes, P 19 ▶ Want to reduce risk of cancer? Go for organic diet, P 19 ▶ Got an interview? Play tet...

Guardians of Gurgaon

Lessons under a tree: An ex-bank manager and his gift of education

Bhatnagar quit job to teach kids from slums 9 yrs ago, over 100 admitted to schools now

Rohit.David@timesgroup.com

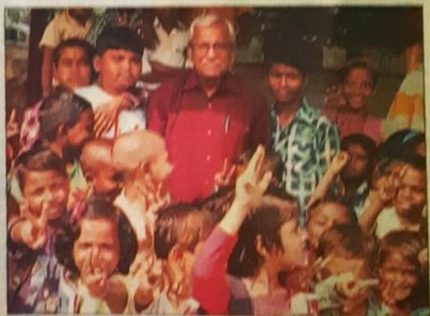

Next to the highrises and gated societies of the city are the slums that provide shelter to Gurgaon's huge migrant population, those who work at construction sites or as domestic helps in apartments. The kids who live in these slums have never been to school, but a kindly elderly gentleman has made sure they don't miss out on studies.

For these boys and girls whose parents don't have the money to spend on their education, and who are not able to get admission in government schools due to a lack of proper identity proofs, Gopal Krishan Bhatnagar is a godsend, his classes under a kadam tree, in a corner of South City 2, leaving them meaningfully, and happily, occupied.

> When I would come out of the temple, kids would ask, 'Can you start a school for us? We want to learn.' That's when I thought, 'It's time to leave my job and do something for underprivileged kids

In 2009, Bhatnagar gave up his job at Syndicate Bank, where he was senior manager, to teach the less fortunate. "I was a regular visitor to Sai Baba temple in South City, and when I would come out of the temple, kids would ask, 'Can you start a school for us? We want to learn,'" he recalls.

"That's when I thought, 'It's time to leave my job and do something for underprivileged kids.'"

Bhatnagar started out with 30 students, each of whom has gone on to complete their education, from different city schools.

This 65-year-old is helped in his endeavours by 25 volunteers. "Today, I don't have any teachers, I have all volunteers — some are college students, others are retired persons and ex-servicemen's wives," he reveals.

These volunteers would hold regular book-reading sessions with the children, introducing them to stories and characters from fiction. Many people, adds Bhatnagar, have been generous in providing storybooks for free. "These books can be taken by the students and we don't intend to take it back from them — (because) they fall in love with reading."

And by taking care of all the kids' schooling needs, providing them books, stationary, clothes and bags, Bhatnagar helps foster a love of learning. "I want to encourage them to study in this school – that's why I present them with colour pencils, crayons and writing pads," he says. Funds, he shares, come via his pension, donations from well-wishers, and his daughter in the US.

In the nine years he's been running the 'school', around 100 students have secured a place in government schools (Bhatnagar maintains a register of those he has taught, and who later got admission). For, it's not just about learning, he believes, but also about being given the chance to study further at a recognised school. "This is just a preparatory ground for them," he insists.

Besides, this school not only aims to make the children academically strong but also intends to build an inclusive learning environment, promoting sports, creativity, hygiene and moral values. For instance, competitions are held every week in drawing and spelling. Bhatnagar also sees to it that the youngsters get to take part in football sessions, and in singing, reciting poetry, and acting. "The whole purpose of the school is to ensure kids not only learn but also rise in whatever they do."

नई दिल्ली, सोमवार
5 नवंबर 2018
गुरुग्राम
मूल्य ₹ 4.00
पृष्ठ 22+10=32

दैनिक जाग

दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल

www.jagran.com

75 लाख नए करदाताओं ने दाखिल किया आइटीआर 10

मोदी सरकार की 'नेवर फर्स्ट' की नी

नई दिल्ली, सोमवार, 5 नवंबर 2018

दैनिक ज

जागरण सिटी

गुरुग्रा

पर्यावरण संरक्षा की शपथ ले मनाएं दीपावली : शशि VIII

शहर के तीन बच्चों को जूनियर सिटिजन अवार्ड

सुधा सोसायटी के संचालक जीके भटनागर के साथ जूनियर सिटिजन अवार्ड जीतने वाले निशांत गोयल, मौसम कुमारी और श्रेया पराशर • जागरण

कामयाबी

- दिल्ली स्थित कांस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में हुआ कार्यक्रम
- कार्यक्रम में दूसरे राज्यों के 16 अन्य बच्चे भी हुए सम्मानित

जासं, गुरुग्राम : शहर के तीन प्रतिभावान बच्चों को शनिवार को दिल्ली स्थित कांस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में जूनियर सिटिजन अवार्ड-2018 से सम्मानित किया गया। गुरुग्राम स्थित सुधा सोसायटी से जुड़े श्रेया पराशर, निशांत गोयल और मौसम कुमारी को यह सम्मान चिल्ड्रेन एंटरटेनमेंट फाउंडेशन की ओर से आयोजित कार्यक्रम में दिया गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान और बिहार से चयनित 16 अन्य बच्चों को भी सम्मानित किया गया। संस्था के बच्चों के सम्मानित होने पर सुधा सोसायटी के संचालक जीके भटनागर ने कहा कि 11 वर्षीय मौसम व 13 वर्षीय निशांत और श्रेया अपनी पढ़ाई के साथ-साथ दूसरे जरूरतमंद बच्चों को पढ़ाते हैं। साथ ही सामाजिक गतिविधियों में भी बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेती हैं। ये बच्चे समाज के यंग हीरो हैं जिनका सम्मान सभी के लिए गौरव की बात है।

नई दिल्ली, रविवार
9 अगस्त, 2020
गुरुग्राम
मूल्य ₹ 5.00
पृष्ठ 14+4=18

दैनिक जागर

www.jagran.com

दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

रनवे पर तय जगह से एक किलोमीटर आगे लैंड किया था विमान 1

मुकेश अंबानी बने दुनिया के चौथे सब

दैनिक जागरण

गुरुग्राम

शिक्षा के सूत्र में बांध वंचितों को मुख्यधारा से जोड़ रहे भटनागर IV

न पर अपलोड हुआ पाठ्यक्रम : संतोष IV

www.jagran.com

IV

दैनिक जागरण

नई दिल्ली, 9 अगस्त, 2020

www.jagran.com

स्वतंत्रता के सारथी

ये कहानियां समाज के उन लोगों की है जो सबको संविधान प्रदत शिक्षा का अधिकार, समता का अधिकार, स्वास्थ्य का अधिकार, सूचना का अधिकार, अभिव्यक्ति का अधिकार, शोषण के विरुद्ध अधिकार और सांस्कृतिक मूल्यों का अधिकार दिला रहे है...

शिक्षा के सूत्र में बांध वंचितों को मुख्यधारा से जोड़ रहे भटनागर

प्रियंका दुबे मेहता • गुरुग्राम

वंचित वर्ग के बच्चों के लिए स्कूल जाना घाटे का सौदा माना जाता है। ऐसे में कुएं का मेढक बनना उनकी नियति बन जाती है। अमीर और गरीब के बीच की खाई और चौड़ी होती जाती है। इसी खाई को पाटने के लिए जीके भटनागर पिछले एक दशक से सतत प्रयास कर रहे हैं। वे कमजोर तबके के लोगों को शिक्षा व प्रशिक्षण दिलवाकर उन्हें मुख्यधारा से जोड़ रहे हैं। उनके प्रयास से अबतक दो सौ से अधिक विद्यार्थी नियमित स्कूलों से जुड़ चुके हैं। जीके भटनागर के मुताबिक अगर इस वर्ग का उत्थान सिर्फ शिक्षा से ही संभव है। ऐसे में वे पहले बच्चे शिक्षा और फिर उसके परिवारों के सदस्यों को प्रशिक्षण दिलवाते हैं।

साउथ सिटी के पार्क में बच्चों को शिक्षित करते जीके भटनागर • सौजन्य: जीके भटनागर

सोसायटी फॉर अपलिफ्टमेंट एंड डेवलपमेंट ऑफ ह्यूमन बींग बाय एक्शन (सुधा) के तहत जरूरतमंद परिवारों के बच्चों को शिक्षा दी जाती है। साउथ सिटी 2 के ए ब्लॉक के पार्क में गोपाल कृष्ण भटनागर के नेतृत्व में टीम बच्चों को पढ़ाने, उनके लिए शिक्षण सामग्री, अतिरिक्त …तिविधियों की सामग्री तो उपलब्ध …ती ही है, साथ ही उन बच्चों के परिवारों की आर्थिक सहायता भी करती है।

जो बच्चे स्कूल नहीं जाते, उन्हें तैयार कर हर साल आर्थिक रूप से पिछड़े बच्चों के कोटे से बड़े निजी स्कूलों या सरकारी स्कूलों में दाखिला कराया जाता है। बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ अच्छे संस्कार और मूल्यों के अलावा बेहतर नागरिक और अच्छा व्यक्ति बनने के लिए प्रेरित किया जाता है। जीके भटनागर केवल बच्चों की शिक्षा ही नहीं साउथ सिटी 2 जैसी पॉश कॉलोनी के आम लोग, शहर के खास लोगों और जरूरतमंद परिवारों को एक सूत्र में पिरोने का काम भी करते हैं। वे बच्चों को स्वतंत्रता संग्राम की कहानियां सुनाते हैं, उससे संबंधित किताबें देते हैं और फिर उसपर कार्यक्रम भी करवाते हैं।

कारगिल विजय दिवस को यहां पूरी शिद्दत के साथ मनाया जाता है। सिंडिकेट बैंक में सीनियर मैनेजर के पद पर रह चुके जीके भटनागर मानव संसाधन विकास मंत्रालय के तहत विश्व बैंक महिला सशक्तीकरण प्रोजेक्ट के लिए भी काम कर चुके हैं।

नई दिल्ली, बुधवार
29 जुलाई, 2020
गुरुग्राम
मूल्य ₹ 4.00
पृष्ठ 18+6=24
www.jagran.com

दैनिक जाग[रण]

दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से [प्रकाशित]

नई दिल्ली, बुधवार, 29 जुलाई, 2020

जागरण सिटी

दैनिक जाग[रण]

गुरुग्राम

हेपेटाइटिस के प्रति किया जागरूक : डॉ. विरेंद्र (अंदर पढ़ें)

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस पर हुई पौधारोपण प्रतियोगिता

साउथ सिटी टू में अमलताश का पौधा लगाते सुधा सोसायटीवासी • फोटो सौजन्यः परिजन

जागरण संवाददाता, गुरुग्राम : विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस पर साउथ सिटी टू में पौधारोपण करवाया गया। सुधा सोसायटी के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों से लेकर बड़ों तक ने सी ब्लॉक में पौधे लगाए। इस दौरान पिलखन, नीम, अमलताश, हवेलिया और पीपल जैसे 201 पौधे लगाए गए। चुबाला शर्मा, दीपांकर अरोड़ा, विंध्या अरोड़ा, पूजा, सुनील भट्टर और सलोनी भट्टर ने सक्रियता से हिस्सा लिया। इस उपलक्ष्य में सभी को सोसायटी के अध्यक्ष गोपाल भटनागर के नेतृत्व में भारत के सभी नागरिकों से अपील करके हिंदी ओर अंग्रेजी में 65 शब्दों की सीमा के अंदर लेख आमंत्रित किया गया था। इसका कार्यभार सुधा सोसायटी के वरिष्ठ सदस्य अजय गोयल को सौंपा गया। परिचर्चा का विषय रखा गया 'भारत में जलवायु की विभिन्नता।'

इस प्रतियोगिता में ऑनलाइन 115 प्रविष्टियां मिलीं। निर्णायक के तौर में अमिताभ खरे उपस्थित रहे। गरिमा चोपड़ा प्रथम, तुषार सोनावने द्वितीय और स्वस्तिका बासु को तृतीय पुरस्कार दिया गया। इन सभी विजेताओं को आर्ट ऑफ लिविंग द्वारा आयोजित हैप्पीनेस कोर्स की पूरी फीस दिया जाएगी।

संकट में सहायक हो वह देवदूत : भटनागर

ब्यूरो/गुड़गांव मेल

गुड़गांव, 29 अगस्त। संकट में सहायक हो वह देवदूत । राष्ट्रीय देवदूत हो दिवस (National Be An Angel day) प्रति वर्ष 22 अगस्त को दुनिया के हर देशों में मनाया जाता है। यह दिवस मानवतावाद के कल्याण में योगदान देनेवाले, सेवा कार्य करने वाले, दुख में हाथ बटाने वालो के प्रति आभार प्रकट करने और उनको सम्मान देने के लिए मनाया जाता है।

इस दिवस के तत्वाधान में श्री गोपाल कृष्ण भटनागर, प्रेसिडेंट , सुधा सोसायटी/ Foundation , साउथ सिटी 2 ,गुरुग्राम के द्वारा कोरोना के संकट में साथ देने वाले ऐसे लोगो की पहचान की गई जिनको अन्य किसी ने नहीं याद किया।

पहलीबार किसी बैंक वाले कर्मचारी (Bank officer) सम्मानित किया गया। पुलिस वालो को और डॉक्टर , श्वान प्रेमियों और पशु प्रेमियों (nimal welfare/ lover) और अन्य देवदूत को जो निस्वार्थ भाव से सेवा करते आ रहे है ,

को याद कर उनको सम्मानित किया गया। करीब 25 ऐसे योद्धाओं (Corona warrior) को पुरस्कृत किया एवं iimalayan Nectar premium organic wellness herbal tea brand, और Art of living Ka ka nishulk course ka (Happiness course) पत्र दिए गए। हम Himalayan Nectar के प्रति अत्यंत आभार व्यक्त करते हैं जो अपने विशेष स्वास्थ्यवर्धक चाय के पुरस्कार द्वारा कोरोना योद्धाओं को सम्मानित करने में हमारे सहायक बने।

भटनागर जी ने बताया की श्रीमती ज्योति सिंह , बैंक ऑफ इंडिया में कार्य रत है उन्होंने रात दिन ग्राहकों की सेवा मे लगा दिए। ज्योति सिंह ने कहा कि कोई संस्था बैंक वालों को याद नहीं करता पर सुधा ही ऐसी सोसायटी है जिसने हम लोगो को याद किया और उन्होंने कहा यह सभी बैंक कर्मचारियों के प्रतिनिधि के रूप में यह सम्मान ग्रहण कर रही है। योग भी हमारे जीवन में अमूल्य योगदान देता है।

मुकेश कुमार योग प्रशिक्षक (yoga Instructor) है उनको सम्मान कर योग वाले सब लोगों को याद किया। श्रीमती अंजना अवस्थी जी कुतो की देख भाल करती है और सेवा कार्य में लगी हुई है। राहुल भार्गव फोर्टिस अस्पताल, लोकेश यादव एम्स में मरीजों की सेवा करते है । जहा एक ओर मानव सेवा के लिए अक्सर देवदूत है वहा दूसरी ओर पशुओं की सेवा करने वाले लोग भी देवदूत होते है। प्रतीक्षा सूरी(Prateeksha Suri) ने कोरोना संकट में बहुत से कुतो की जान बचाई और उनको आहार दिया। डॉक्टर संध्या शर्मा ने free Homeopathy दवाइयां गरीबों को दी। ऐसे ही एक सेवा भावी है हरीश कुमार शर्मा जो इंडियन ऑयल ने वित प्रबंधक है, उन्होंने सेवा की।

कुलदीप सिंह ने slum me ration BATA । श्री दिनेश कुमार पुलिस अधिकारी है उन्होंने भी बहुत सराहनीय काम किया।

ले. जेनरल अनिल नंदा(Lt.General Anil Nandal) Retired मुख्य अतिथि और क. सुनील चावला (Col.Sunil Chawla) Guest of honour rahe। And Mrs.Meenakshi Ranjan social worker was Special Guest. जो देवदूत होते है वे अचानक हमारे जीवन में सहायता के रूप में प्रकट हो जाते है मानवीय सहायता और प्रेम के बढ़ाने के विपरीत परिस्थितियों में काम करने वाले लोगों की पहचान कर के उनको प्रोत्साहित करना और उनकी सेवाओं के लिए ऋणी होना है कृतज्ञता ज्ञापन करना All award winners were waring mask n Social distancing norms also followed in the program. Thanks n regards Gk bhatnagar President Sudha society/Foundation Regd Gurugram (www.sudhasesud-har.com) Mob no. 9818856406

Sudha society Regd / Foundation honoured 25 corona warriors on National be an Angel day 22/8/2020 including Banker, Animal lover/care taker, police, Medical staff, Sanitation staff Education staff , Dietician, Homeopathy Doctor, Doctors, Alopathy, Govt.staff, Dentist, social workers etc. at South City w Gurugram those are doing good work during covid period. First time Banker, Animal lover/ care taker and yoga instructor were also honoured along with Sanitation and medical staff Lt.Gen.Anil Singh Nandal (Retired) was chief Guest col. Sunil chawla was Guest of Honour and Mrs.Meenakshi Ranjan social worker was the special Guest of the program. Sh. Gk Bhatnagar, President conducted the program. Social distancing norms were followed in the program. Mrs.Deepti Goyal and Jaiveer Singh volunteers actively participated in the program to make it successful. All the warriors were given a certificate of appreciation and a green tea pack exclusively provided by Himalayan Nectar premium organic wellness herbal tea brand. We thank our gifting partners, Himalayan Nectar for their wonderful immunity boosting products, very relevant to the current situation. They will also be provided with the Happiness course (Art of living), fees of which will be born by the Sudha society. Thanks and Regards, Gk bhatnagar President Sudha society.

Sh.Dinesh Kumar (police Department), Sh. Dinesh Kumar SHO Sadar Gurugram, Mr.Mukesh (yoga), Mr.Mukesh (yoga), Mrs.Prateekasha Suri (Animal care) Malibu Town, Mrs.Prateekasha Suri(Animal care) Malibu Town, Dr.Mukesh Gupta, Dr.Mukesh Gupta (Critical care Artemis hospital), Sh.Kuldeep Singh (social work), Sh.Kuldeep Singh (social work), Sh.Lokesh Kumar Yadav (Vatika City) Nursing officer AIIMS, Sh.Lokesh Kumar Yadav (Vatika City) Nursing officer AIIMS, Sh.Harish Kumar Sharma (Indian oil corporation) sector 57 Gurugram, Sh.Harish Kumar Sharma (Indian oil corporation) sector 57 Gurugram, Sh.Lokesh Kumar Supervisor (Sanitation Staff MCG), Sh.Lokesh Kumar Supervisor (Sanitation Staff MCG), Dr. (sandhya Sharma) Homeopathy - Malibu Town, Dr. (sandhya Sharma) Homeopathy - Malibu Town, Mrs.Anu Sahdev Malibu Town (Nutrition), Mrs.Anu Sahdev Malibu Town (Nutrition), Mrs.Meenakshi Kapur (Animal welfare) South City 2 Gurugram, Mrs.Meenakshi Kapur (Animal welfare) South City 2 Gurugram, Dr.Dilip Kumar Das (Forties hospital - cardiologist) Resident of South City 2 Gurugram, Dr. Dilip Kumar Das (Forties hospital - cardiologist) Resident of South City 2 Gurugram, Dr.Kunal Agnihotri Dentiest sector 46 Gurugram, Dr. Kunal Agnihotri Dentiest sector 46 Gurugram, Sh.Deepak Chouhan (Sanitation MCG Staff), Sh.Deepak Chouhan (Sanitation MCG Staff), Sh.Bhupendra Jahadun (Nursing staff ICU Artemis hospital), Sh.Bhupendra Jahadun (Nursing staff ICU Artemis hospital), Sh.Sanjeev Gaba Contractor MCG Resident of South City 2, Sh.Sanjeev Gaba Contractor MCG Resident of South City 2, Sh.Jagdish Kumar Ahlawat (Education Department), Sh.Jagdish Kumar Ahlawat (Education Department), Dr.Kirti Bajpai (psychologist counselor), Dr.Kirti Bajpai (psychologist counselor), Ms.Anjana Avasthi (Animal welfare) South City 2 Gurugram, Ms.Anjana Avasthi (Animal welfare) South City 2 Gurugram, Dr.Rahul Bhargava (Fortis hospital - blood cancer Department), Dr.Rahul Bhargava (Fortis hospital - blood cancer Department), Mrs.Mainu Choudhary (Animal welfare) from South City 2 Gurugram, Mrs.Maidu Choudhary (Animal welfare) from South City 2 Gurugram, Dr.Shatabadi Shankar (social work) sohna road Gurgaon, Dr.Shatabadi Shankar (social work) sohna road Gurgaon, Sh.Shahud Ansari (Dental Designer) sohna road Gurgaon, Sh.Shahud Ansari (Dental Designer) sohna road Gurgaon, Sh.Mahiender Rawat (Restaurant Manager) Animal welfare n Care, Sh.Mahiender Rawat (Restaurant Manager) Animal welfare n Care, Banker (Mrs.Jyoti Singh Senior Branch Manager BOI), Mrs.Prateeksha Suri (Dog Lover / care taker) During Covid 19 period, Mukesh Kumar yoga instructor), Mrs.Anjana Avasthi (Dog lover / dog care taker) during covid 19, Dr.Mukesh Gupta (Artemis hospital) physician (6) Dr.Dilip Das (Fortis hospital) cardiologist, Dr.kunal Agnihotri (Dentiest) gives free consultation to Senior citizen during covid 19, Sh.Kuldeep Singh brand Ambassador Swatchh bharat Abhiyan, Dr. Rahul Bhargava (Fortis hospital) (10) Sanjeev Gaba Contractor MCG, Anu Sahdev Malibu Town (Dietician), Lokesh Yadav (vatika) Nursing officer AIIMs, Dr.Sandhya Sharma (Homeopathy doctor) Gives free consultation to poor people, Bhupender jadaun (Artemis hospital) Nursing staff Deepak Chauhan' (Supervisor Sanitation MCG).

Gurugram (www.sudhasesudhar.com)

शुभकानाओं सहित

PROJECT 100

NOBLE CITIZEN AWARD

INDIA - 2020

Celebrating the joy of spreading happiness

Noble Citizen Awardee

This is to certify,

Mr. Gopal Krishana Bhatnagar

is our Noble Citizen Awardee in the category of

Social Work

for the year 2020 and our Life time member.

JESTIN ANTHONY
Chairman
Noble Citizen Award

SAHIL KAUSHAR
Ceo & Co-founder
Noble Citizen Foundation

VITTHAL SONAWANE
Secretory
Project 100

SURAJ GAIKWAD
Chief & Founder
Project 100

NCA/CER/MEM/2020/203